तेरे सिवा किसे सुनाऊँ श्याम | By Priyanka Sharma

हार के इस जीवन से बाबा आई तेरे धाम रे
तेरे सिवा इस दिल के दुखड़े किसे सुनाऊ श्याम रे

दर दर भटक रही हूँ कबसे मिलता नहीं किनारा है
तेरे बिना ओ खाटूवाले और ना कोई सहारा है
किया समर्पण मैंने अब तो बांह पकड़ ले श्याम रे
तेरे सिवा इस दिल के दुखड़े किसे सुनाऊ श्याम रे

जब जब संकट ने घेरा और भक्त तेरा घबराया है
नीले घोड़े वाले तूने आकर गले लगाया है
हर मुश्किल में तू ही बाबा आया सबके काम रे
तेरे सिवा इस दिल के दुखड़े किसे सुनाऊ श्याम रे

आस लगाए बैठी हूँ मैं कर विनती स्वीकार तू
मेरे मन की सारी पीड़ा जाने लखदातार तू
मोरछड़ी का झाड़ा देदे मिल जाए आराम रे
तेरे सिवा इस दिल के दुखड़े किसे सुनाऊ श्याम रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%81-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af/